ISSN NO : 2455-4219
आभा आनन्द
सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र
शासकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय राजगढ़ (ब्यावरा)
म.प्र. 465661

नयी शिक्षा नीति 2020

विद्यार्थियों के समग्र विकास में नयी शिक्षा नीति

'सा विद्या या विमुक्तये' वेद के इस सूक्ति से ही शिक्षा के परम उद्देश्य परम लक्ष्य की सार्थकता प्रतिबिंबित होती है। शिक्षा हमें बंधनमुक्ति प्रदान कर समस्त प्रकार के कलुषित भावनाओं के तिरोहित होने की शंखनाद करती है। मानवता के उच्च आदर्शो यथा प्रेम सहिष्णुता, सहानुभूति, संवेदनशीलता, करूणा, दया, से लबालब भरा हृदय और हौसलो, प्रयोगों स्वपनों को साकार करने वाला मस्तिष्क यहीं शिक्षा का अभीष्ट है। दिन प्रतिदिन कल्याण की बढती ऊँचाइयाँ शिक्षा को गरिमापूर्ण बनाती है। आदिकाल से शिक्षा का उद्देश्य मानवता को परिपूर्ण बनाना, क्षमता को उच्चतम सिरे पर पहुँचना, कौशल व तकनीक का समावेशी उपयोग करना, सोच की दशा व दिशा को बेहतर बनाना, मूल्यों की रक्षा करना तथा व्यवहारगत व सौद्देश्यपूर्ण वातावरण निर्मित करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उपरोक्त समस्त गुणों को समाहित करने हेतु संकल्पित है। ज्ञान के साथ प्रयोगो की संकल्पना तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा नवीन शिक्षा नीति 2020 का मुख्य सार यही है। प्रत्येक शिक्षार्थी को समस्त संकाय के समस्त पहलुओं के अध्ययन से अवगत कराना ही प्रस्तुत नवीन शिक्षा नीति के परम उद्देश्य हैं। स्नातक स्तर पर multiple entry exit का प्रावधान है इसमें और यह पाठ्यक्रम पूर्णतया परिणाम आधारित है। रोजगार की संभावना को ठोस बनाने के लिए इसमें सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री का प्रावधान रखा गया है। मध्यप्रदेश का उच्चतम गौरव इस सत्य में नीहित है कि संपूर्ण भारत में यह प्रथम राज्य है जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर पूर्णतः क्रियान्वित किया है ताकि विद्यार्थीगण समावेशी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अनेकों अवसरों से लाभान्वित हो सके। शिक्षा के नित नए परिवर्तित वैश्विक परिवेश के अनुसार विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ रोजगार सरलता से प्राप्त हो सके व्यावहारिक धरातल पर भी सफल हो सके। साथ ही रचनाधार्मिता, तार्किकता, नैतिकता व संवेदनशीलता की मिसाल बन सके। उच्च शिक्षा विभाग ने नयी शिक्षा नीति 2020 के पूर्णतया विद्यार्थी केंद्रित पहलू को अपनाया है। जिसके अन्तर्गत रूचि अनुसार विषय चयन तथा क्रेडिट व्यवस्था की सुविधा है इसके अलावा इंटर्नशिप, एपरेंटशिप, फील्ड प्रोजेक्ट आदि के द्वारा विद्यार्थियों को अन्य शैक्षणिक, सामाजिक संस्थानों से भी सम्यक परिचित होना है ताकि भविष्य में किसी भी गतिरोधों को समझा तथा सुलझाया जा सके। प्रासंगिक व समसार्थिक विषयों जैसे भाषा अध्ययन के अतिरिक्त पर्यावरण अध्ययन, स्टार्टअप्स, उद्यमिता, योग व ध्यान, व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण की पद्धतियों को वे अपने पाठ्यक्रम में पायेंगे। राष्ट्रीय नवीन शिक्षा नीति अंतर्गत विद्यार्थियों को अपने संकाय के अतिरिक्त अन्य संकाय से वैकल्पिक विषय चयन की स्वतंत्रता प्राप्त है। इस क्रम में कला संकाय से 25, विज्ञान संकाय से 20 एवं वाणिज्य संकाय से 05 व अन्य संकाय से NCC, NSS एवं शारीरिक शिक्षा जैसे विषयों के चयन का अवसर भी विद्यार्थियों को प्राप्त होगा। महाविद्यालयीन स्नातक पाठ्क्रमों में प्राचीन ज्ञान को शामिल करने के साथ आधुनिक तकनीक, कौशल को समान महत्व प्रदान किया गया है ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा को अक्षुण्ण रखने के साथ आधुनिक

आवश्यकताओं को भी हम समझ सके, लाभ उठा सकें और वैश्विक विकास के साथ कदम मिला कर नित नई शैक्षणिक ऊंचाईयों का स्पर्श कर सके। तकनीकी ज्ञान की सुलभता के लिए SWAYAM/NPTEL/open univ. के ऑनलाईन पाठ्यक्रम स्वयं के संसाधन से भी पूर्णता की जाने का स्वर्णिम विकल्प विद्यार्थियों के पास मौजूद हो। प्रदेश के गुणी व विद्धवजनों प्रतिभावना, युवा प्राध्यापकों द्वारा तैयार ई कंटेंट भी Learning Management System पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को बिंदूवार यूँ समझा जा सकता हैः–

a) चयनित क्रेडिट व्यवस्थाः–

स्नातक पाठ्यक्रम कुल 04 वर्षीय कोर्स है। चाहे विद्यार्थी किसी भी संकाय विज्ञान, वाणिज्य व कला का प्रवेश धारी हो किंतु वह अपने संकाय का एक major, एक minor तथा एक open elective विषय के साथ एक व्यावसायिक पाठ्क्रम का चयन कर field project internship/apprenticeship/community engagement and services की पढ़ाई करना है।

b) बहुविषयक शिक्षाः–

वैकल्पिक विषय को चुनते समय विद्यार्थी अपने संकाय या अन्य संकाय से जो भी प्रवेशित संस्था में उपलब्ध हो, अभिरूचि के आधार पर open elective course को चुन सकते है।

c) Entry and Exit:-

इसका अर्थ यह है कि विद्यार्थी की बीच में पढ़ाई छूट जाए तो फिर से पढ़ाई जारी करने पर पहले की पढ़ाई का लाभ उसे मिल सकेगा।

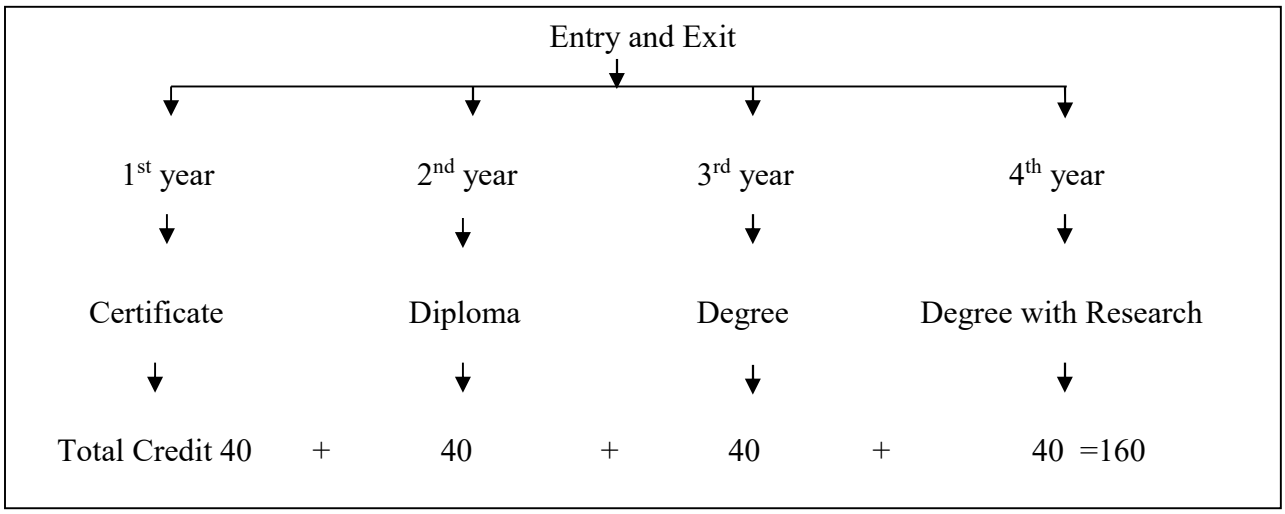

यानि स्नातक प्रथम वर्ष 40 Credit प्राप्त कर उसे Certificate, द्वितीय वर्ष 40 Credit प्राप्त कर Diploma तृतीय वर्ष 40 Credit प्राप्त करने पर Degree तथा चतुर्थ वर्ष 40 यानि कुल 160 क्रेडिट

प्राप्त करने पर बैचलर विथ रिसर्च/आनर्स की पात्रता प्राप्त कर विद्यार्थी स्नातक पाठ्यक्रम से बाहर जा सकेगा।

d) परिणाम आधारित शिक्षा एवं पाठ्यक्रमः– 05 नवीन शिक्षा नीति सैद्यांतिक पहलूओं के साथ व्यवसायिक पहलू पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखती हैं। इसका सुपरिणाम यह है कि विद्यार्थियों को सिद्यांतगत समझ के साथ व्यावहरगत समझ भी विकसित होगी जिससे उनकी सृजनात्मकता व मौलिकता को बढ़ावा मिलेगा तथा कॉलेज छोड़ने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगेगा।

e) प्राचीन तथा आधुनिक शिक्षा पद्धति :– भारत की पुराकालीन ज्ञान संपदा अत्यन्त गौरवशाली गुरूकुल पद्धति है जिनसे हमें विमुख नहीं वरन् अक्षुण्ण रखना है, प्राचीन ऐतिहासिक विरासतों से लाभान्वित होने के लिए समस्त पौराणिक चरित्रों, वैज्ञानिकों, इतिहासकारों, साहित्यकारों और राजनीतिज्ञों के योगदान को सदैव स्मृत रखना है साथ ही आधुनिक नवाचारों से भी कदम मिलाकर आगे बढ़ना है।

f) व्यावसायिक शिक्षा की महत्ता :– शिक्षा का उद्धेश्य ज्ञानवान्, शीलवान, चरित्रवान होने के साथ रोजगारोन्मुखी भी होना है ताकि कोई भी विद्यार्थी काफी पढ़ा लिखा होकर देश की सम्पन्नता में अपना योगदान दे न कि बेरोजगारी के आँकड़े में वृद्धि करे।

g) योग्यता व निपुणता में वृद्धि :– विद्यार्थियों को भाषाई वृहत ज्ञान के अलावा पर्यावरण, स्टार्टअप, संगीत, शिल्पकारी, क्रीड़ा, योग, व्यक्तित्व विकास, चारित्रिक विकास पर भी प्रबल जोर दिया जाना है।

h) अकादमिक लचीलापन :– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सर्वोत्कृष्ट गुण इसके लचीलेपन में नीहित है। यानि विज्ञान का विद्यार्थी होकर संज्ञीत सीखना, कला के विद्यार्थी को गाणित पढ़ने की सुविधा प्राप्त होना और वाणिज्य के विद्यार्थी को योग ओर पर्यावरण की रूचि को आगे बढ़ाने का सुअवसर मिल सकेगा। इसी उद्धेश्य से कला संकाय से 25, विज्ञान संकाय से 20, वाणिज्य संकाय से 05, तथा अन्य संकाय से NCC, NSS और शारीरिक शिक्षा जैसे विषयों के चयन का अवसर प्राप्त है।

i) ऑनलाईन अध्ययन :– विद्यार्थियों को ऑफलाईन अध्ययन के अतिरिक्त ऑनलाईन पठन पाठन की सुविधा SWAYAM पोर्टल मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाईन पाठ्यक्रम स्वयं के संसाधनों से भी पूर्णता की जा सकती है।

संक्षिप्ततः इतना कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रमुख उद्धेश्य गौरवशाली सांस्कृतिक शैक्षणिक विरासत के साथ विद्यार्थियों को नवीन तकनीक व कौशल से परिचित कराना तथा सैद्यांतिक ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक जगत के रोजगार सम्पन्नता से सम्बर्धित करना है ताकि विद्यार्थियों को जीवन के समस्त पहलूओं सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, पर्यावरणीय, शारीरिक सौष्ठ व निपुणता व दक्षता प्राप्त हो सके।

Major Subject

किसी भी संकाय के विद्यार्थी को अपने संकाय का एक मुख्य विषय लेना है जिसमें दो प्रश्नपत्र हैं और प्रतिष्ठा या स्नात्तकोत्तर करने के लिए यही मुख्य विषय ही मान्य होंगे इसलिए विद्यार्थियों को शिक्षक, पालक तथा मित्र से पूछकर ही मुख्य विषय लेना उचित रहेगा।

Minor subject

अपने संकाय से ही गौण विषय चयन करना है और यह गौण विषय मुख्य विषय के ही दूसरे प्रश्नपत्र चयनित किए जा सकेंगे।

Open Elective Subject

वैकल्पिय विषय के रूप में विद्यार्थी को मुख्य विषय के द्वितीय प्रश्नपत्र का चयन करना है। यदि तीसरे विषय के रूप में रूचिअनुसार अन्य संकाय के सामान्य वैकलिपक विषय का चयन करने के लिए भी वह स्वतंत्र है।

सामान्य वैकल्पिक विषय के लिए कला संकाय के कई विषय हैं जैसे म.प्र. के लोकनृत्यों का सामान्य परिचय, धन और बैंकिंग का अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था–एक परिचय, आदि ऐसे 26 विषय कला संकाय के अंतर्गत आते हैं। विज्ञान विषय क अंतर्गत हर्बल प्रसाधन सामग्री, नर्सरी प्रबंधन, दैनिक जीवन में रसायनशास्त्र आदि हैं तो ऐसे 20 विषयों का विज्ञान संकाय में उल्लेख है। वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत मुद्रा व बैंकिंग व्यवसाय अध्ययन के आधारभूत सिद्यांत आदि हैं 05 विषय तो अन्य वैकल्पिक विषयों में NCC, NSS, शारीरिक शिक्षा आदि के चयन भी इच्छा व रूचिअनुसार किए जा सकते हैं।

Vocational Course

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ज्ञान के अतिरिक्त व्यवसायगत या व्यवहारगत उपयोगों की क्षमता पर काफी जोर दिया गया है। जिसका परमउद्देश्य ज्ञानवान विद्यार्थियों को रोजगार सृजन की क्षमता स्वयं में विकसित होना चाहिए ताकि बड़ी–बड़ी डिग्री लेकर विद्यार्थियों को बेरोजगार होकर यत्र तत्र भटकना नहीं पड़े। महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए कौशल विकास के पाठ्यक्रमों में से एक व्यावसायिक विषय का चयन करना है रूचि, रोजगार व इच्छानुार। यह व्यावसायिक विषय प्रतिवर्ष 4 क्रेडिट के होंगे तथा इनको शिक्षण अवधि 60 घंटे की रहेगी।

घ्यातव्य है कि इस संदर्भ में एक सुविधा ऑनलाईन SWAYAM PORTAL अथवा मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाईन कौशल सम्बर्धन विषयों का अध्ययन करने पर इनसे प्राप्त क्रेडिट भी विद्यार्थी के परिणाम में जुड़ सकेंगे। ऐसे 25 विषय इनमें शामिल है जैसे सौंदर्य व स्वास्थ्य कल्याण, औषधीय पौधे पोषण नैदानिक आहार, हस्तशिल्प, जैविक खेती

खाद्य संरक्षण व प्रसंस्करण आदि। वर्मी कम्पोस्टिंग, डेयरी प्रबंधन, वेब डिजाइनिंग, चिकित्सा निदान आदि अनेक रोचक व उपयोगी विषय हैं।

Ability Enhancement course

स्नात्तक स्तर पर तीनों वर्ष में आधार पाठ्यक्रम का पूर्व की तरह अनिवार्यतः अध्ययन करना है। जिसके सभी प्रश्नपत्र की वार्षिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्न पर आधारित होंगे इसमें CCE नहीं होंगे तथा प्रथम वर्ष में भाषा के साथ पर्यावरण योग व ध्यान को पढ़ना है। द्वितीय वर्ष में स्टार्टअप्स एवं उद्यमिता तथा महिला सशक्तिकरण और तृतीय वर्ष में डिजीटल जागरूकता तथा व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण को पढ़ना है।

Field Project/Internship/Apprenticeship/Community Engagement and services

यथार्थ के कठोर धरातल पर कदम रखने से पूर्व विद्यार्थियों को कई व्यवहारिक समस्याओं से जुझने की क्षमता विकसित करता है फील्ड प्रोजेक्ट/इंटर्नशिप/एप्रेन्टिशशिप/ व सामुदायिक जुड़ाव। इन प्रावधानों के द्वारा स्नातक स्नात्तक स्तर पर ही विद्यार्थी यथार्थ की कठिनाईयों व समाधान से रूबरू हो सकेंगे।

Project Work

परियोजना कार्य वास्तव में विद्यार्थियों के अंदर आत्म चिंतन, मंथन के द्वार खोलकर समूह में कार्य करने की क्षमता, स्वप्रबंधन, स्वनिर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का सुअवसर प्रदान करता है। प्रोजेक्ट कार्य अन्तर्गत तीन प्रतिवेदन तीन माह में प्रदान करना है, परियोजना रिपोर्ट में विद्यार्थी ग्राफ, छायाचित्र आदि का प्रयोग कर सकते हैं। मौलिकता का प्रमाणपत्र देना है तथा इसमें आंतरिक व बाह्य मूल्यांकन में 50–50 अंकों का विभाजन भी है।

प्रशिक्षुता को पूर्णता हेतु विद्यार्थी किसी संस्था/फर्म/संगठन में पूर्णता पश्चात् प्रमाणपत्र प्राप्त करता है जिसके आधार पर उसका मूल्यांकन किया जाता है। इसके अन्तर्गत भी शिक्षक की अनुमति प्रारंभिक तथा अंतिम रिपोर्ट का प्रावधान है। Feedback form के आधार पर मूल्यांकन होगा तथा इसे हस्तलिखित ग्राफ व फोटोयुक्त होना अपेक्षित है।

अंत में सामुदायिक जुड़ाव अन्तर्गत प्रौढ़ शिक्षा, बालमजदूरी, अनाथ आश्रम प्रबंधन, वृद्धाश्रम, जलसंरक्षण आदि सामाजिक सरोकार वाले विषयों को रखा गया है। NSS द्वारा 1258 ग्रामों को गोदग्राम के रूप में चिन्हित किया गया है जिसे विद्यार्थियों को किसी एक गोदग्राम का चयन कर उसकी समस्या, समाधान पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।

NEP में क्रेडिट का तात्पर्य अध्ययन के घंटों से है यानि 15 घंटे का अध्ययन, क्रेडिट माना जाता है अर्थात् 15 व्याख्यान पर एक क्रेडिट होता है। 6 क्रेडिट यानि कुल 90 व्याख्यान। मूल्यांकन CCE 30 अंक तथा 70 अंक विश्वविद्यालयीन बाह्य मूल्यांकन के होंगे।

वार्षिक परीक्षा AGPA तथा अंतिम परीक्षा परिणाम CGPA के रूप में होंगे।

विद्यार्थियों को न्यूनतम अपेक्षित क्रेडिट सफलतापूर्वक अर्जित करने पर चार वर्षों में प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त होंगे। प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के बाद अर्जित ग्रेड के आधार पर सभी छात्रों को ग्रेड कार्ड प्राप्त होंगे।

उपरोक्त अपरिमित गुणों के कारण नवीन शिक्षा नीति 2020 काफी ज्ञानवर्धक, रोचक तथा उपयोगी है यह न केवल विद्यार्थियों को प्राचीन गुरूकुल पद्वति से ज्ञान प्रदान में सक्षम है बल्कि पूर्णतया रोजगारोन्मुखी भी है क्योंकि यह स्नातक स्तर पर ही पूर्णतया समावेशी, सर्वकालिक और सर्वसिद्धमान है निश्चित तौर पर विद्यार्थी न केवल प्राचीन ज्ञान से अवगत होंगे वरन् तकनीकी कौशल तथा सामाजिक सरोकारों से भी परिचित होकर भारत को गौरवशाली इतिहास विश्वगुरू की कल्पना पुनः साकार करने में सक्षम होंगे।

Ref :– नई शिक्षा, नई उडान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग पृष्ट क्र. 05–25।